NS – 085

III Semester B.Sc. Examination, Nov./Dec. 2016
(Repeaters) (CBCS)
(2015-16 Only)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Sahityakar aur Sankshepan

Time : 3 Hours　　　　Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** वाक्य या शब्द में लिखिए। **(10×1=10)**

1) सुवास का पति कौन है ?

2) चाणक्य किसके साथ मिलकर विद्यापीठ की स्थापना किया ?

BMSCW

3) ध्रुवसेन के बेटे का नाम क्या है ?

4) कौन रथ के पहिये से कुचला जाता है ?

5) पर्वतेश्वर किसको रानी बनाने का प्रलोभन देता है ?

6) कुसुमपुर के प्रेक्षागृह की नायिका कौन है ?

7) रानी किसकी पत्नी थी ?

8) पर्वतेश्वर की हत्या कौन करता है ?

9) चाणक्य और चाणक्य–नाटक के नाटककार कौन है ?

10) चाणक्य और चाणक्य–नाटक के तीसरे अंक का नाम क्या है ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(7×2=14)**

1) "व्यक्ति को देवता मानकर पूजनेवाली स्त्रियाँ यह भूल जाति है कि मनुष्य अपने आदर्शों से भी अधिक अपने अहम् से प्यार करता है ।"

2) "यह विश्वास प्रत्येक भारतीय नारी को होता है और यहीं से विश्वासघात की कहानी आरंभ होती है ।"

3) "यह सच है कि अपने अहम् पर विजय पाकर ही व्यक्ति दूसरें के सतविचार को स्वीकार करता है ।"

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : (16×1=16)

1) "चाणक्य और चाणक्य" नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2) "चाणक्य और चाणक्य" नाटक के आधार पर कोपल का चरित्र चित्रण कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5×2=10)

1) अभिनव और चाणक्य का संवाद।

2) विद्यापीठ का अंक।

3) सुवास।

V. किसी **एक** साहित्यकार का परिचय दीजिए। (10×1=10)

BMSCW

1) उपेन्द्रनाथ अश्क।

2) आज्ञेय।

VI. निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए। (10×1=10)

भाषा नदी की धारा की तरह चंचल है। यह रुकना नहीं जानती। यदि कोई इसे बलपूर्वक रोकना भी चाहे, तो यह उसके बंधन को तोड आगे निकल जाती है। यह उसकी स्वाभाविक प्रकृति और प्रवृत्ति है। हर देश की भाषा के इतिहास में ऐसी बात देखी जाती है। भारत एक प्राचीन देश है। यहाँ के लोग भिन्न-भिन्न कालों में भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोलते और लिखते आये हैं। संस्कृत इस देश की सबसे पुरानी भाषा है, जिसका व्यवहार हमारे पुराने ऋुषि मुनियों, विद्वानों और कवियों ने समय-समय किया है। इसका प्राचीनतम रूप संसार की सर्वप्रथम कृति ऋग्वेद में देखने को मिलता है। संस्कृत को आर्यभाषा या देवभाषा भी कहते हैं। यह आर्यभाषा, अनुमान है, लगभग 3500 वर्ष पुरानी है।